रूस-चीन संयुक्त नौसेना अभ्यास

हाल ही में रूस और चीन ने [पूर्वी चीन सागर] में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास आरंभ किया है।

//

इस अभ्यास के प्रमुख बिंदु:

- इसमें **फायरिंग तथा पनडुब्बी रोधी अभ्यास शामिल हैं।**
- इस अभ्यास का मुख्य लक्ष्य **रूसी संघ और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के बीच नौसैनिक सहयोग को मज़बूत करना और [एशिया प्रशांत क्षेत्र] में शांति तथा स्थिरता** बनाए रखना है।
- यह संयुक्त अभ्यास **समुद्री सुरक्षा खतरों का संयुक्त रूप से जवाब देने के लिये दोनों पक्षों के दृढ़ संकल्प और क्षमता का प्रदर्शन करने तथा चीन-रूस व्यापक नए युग की रणनीतिक समन्वय साझेदारी को और बेहतर करने** के लिये निर्देशित किया जाता है।
- **रूस और चीन ने भी विगत एक वर्ष में लगातार कई सैन्य अभ्यास किये हैं,** इसके अंतर्गत मई 2022 में दोनों देशों ने परमाणु-सक्षम बमवर्षकों(bombers) की उड़ान का परीक्षण किया था।
- इसके बाद सितंबर 2022 में एक व्यापक संयुक्त अभ्यास किया गया जिसके अंतर्गत**2,000 से अधिक चीनी सैनिक, सैकड़ों सैन्य वाहन, लड़ाकू विमान और युद्धपोत शामिल थे।**

चीन और रूस के साथ भारत का अभ्यास:

- **चीन:**

- **[हैंड इन हैंड अभ्यास]:**
  - इसका उद्देश्य **संयुक्त योजना का अभ्यास करना और अर्द्ध-शहरी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों का संचालन** करना है।.
- **रूस:**
  - **अभ्यास इंद्र (INDRA):**
    - यह अभ्यास अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी समूहों के खिलाफ एक संयुक्त बल द्वारा संयुक्त राष्ट्र के शासनादेश के तहत **आतंकवाद विरोधी अभियान** के संचालन में मदद करेगा।
    - इस सैन्य **अभ्यास की शुरुआत वर्ष 2003 में की गई थी**, जिसे दोनों देशों के बीच बारी-बारी से **द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास के रूप में आयोजित** किया गया था।
      - हालाँकि पहला संयुक्त त्रि-सेवा अभ्यास (Tri-Services Exercise) वर्ष 2017 में आयोजित किया गया था।
  - **अभ्यास TSENTR:**
    - अभ्यास **TSENTR 2019, बड़े पैमाने पर अभ्यास की वार्षिक शृंखला** और रूसी सशस्त्र बलों के वार्षिक प्रशिक्षण चक्र का हिस्सा है।
    - इस शृंखला में क्रमिक रूप से **चार प्रमुख रूसी परिचालन रणनीतिक कमानों (commands)** यानी वोस्तोक (पूर्व), ज़ापद (पश्चिम), TSENTR (केंद्र) और कवकाज़ (दक्षिण) के माध्यम से आयोजित होती है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/russia-china-joint-naval-drills